हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार 25 मई 2026

11 जोधपुर-गोरखपुर स्पेशल ट्रेन का संचालन...

12 महेंद्रगढ़ में आवारा पशु व बंदरों की समस्या पर हुई बैठक...

Affiliated to CBSE
MR SCHOOL
MITTERPURA | ATELI
॥ तमसो मा ज्योतिर्गमय ॥
A Name of Dedication, Hardwork and Sincerity
FOUNDATION / JEE / NEET COACHING with Aakash Faculty Experts
ADMISSION OPEN
Session 2026-27
MR SCHOOL Aakash
Medical IIT-JEE Foundation
Aakash की FACULTY अब MR SCHOOL के साथ
MITTERPURA, NARNAUL (HR.)
9466945658, 9416903367
mrps530543@gmail.com www.mrpublicschool.com
NARNAUL ROAD, ATELI
8278085868, 9416903367
mrpsateli@gmail.com www.mrpsateli.in

परंपरागत कोर्सों से हटकर रोजगारपरक शिक्षा की ओर कदम बढ़ाने की तैयारी

बीएससी नॉन मेडिकल स्टूडेंट्स को कॉलेज करेंगे बीटेक लेटरल कोर्स के लिए प्रेरित

टेक्नीकल एजूकेशन विभाग ने शुरू किया जागरूकता अभियान, कॉलेजों में लगेंगी कार्यशालाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

प्रदेश में पारंपरागत डिग्री कोर्सों में लगातार घटते रोजगार अवसरों और तकनीकी शिक्षा की बढ़ती मांग को देखते हुए अब बीएससी (बैचलर आफ साइंस इन फिजिकल साइंस) नॉन मेडिकल विद्यार्थियों को बीटेक कोर्सों की ओर प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए हरियाणा राज्य तकनीकी शिक्षा सोसायटी (एचएसटीईएस) एवं तकनीकी शिक्षा विभाग ने विशेष पहल शुरू की है। तकनीकी शिक्षा विभाग के महानिदेशक (डीजी) की ओर से उच्च शिक्षा निदेशक को पत्र लिखकर प्रदेश के सभी सरकारी एवं उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत बीएससी नॉन मेडिकल विद्यार्थियों को बीई/बीटेक लेटरल एंट्री कोर्सों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गए हैं।

जारी पत्र में स्पष्ट किया गया है कि ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने बीएससी नॉन मेडिकल में अध्ययन किया है और 10+2 में गणित विषय रहा है, वे अब बीई/बीटेक में सीधे दूसरे वर्ष यानी तीसरे सेमेस्टर में दाखिला ले सकते हैं। इसके लिए विद्यार्थियों को ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (ओसीईटी-2026) के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा।

45 प्रतिशत अंकों के साथ मिलेगा मौका

एचएसटीईएस द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार यूजीसी से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम से कम 45 प्रतिशत अंकों के साथ बीएससी उत्तीर्ण तथा 10+2 में गणित विषय रखने वाले विद्यार्थी बीई/बीटेक लेटरल एंट्री के पात्र होंगे। आरक्षित वर्ग के विद्यार्थियों को अंकों में पांच प्रतिशत की छूट भी दी जाएगी। प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (ओसीईटी-2026) एवं केंद्रीकृत ऑनलाइन काउंसलिंग के माध्यम से पूरी की जाएगी। एआईसीटीई नियमों के अनुसार लेटरल एंट्री सीटें कुल स्वीकृत सीटों के अधिकतम 10 प्रतिशत तक होंगी।

महत्वपूर्ण बातें

- बीएससी नॉन मेडिकल विद्यार्थी सीधे बीटेक दूसरे वर्ष में ले सकेंगे प्रवेश
- 10+2 में गणित विषय होना जरूरी
- न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक अनिवार्य
- ओसीईटी-2026 के आधार पर होंगे दाखिले
- कॉलेजों में चलेंगे जागरूकता अभियान व सेमिनार
- रोजगारपरक शिक्षा की ओर विद्यार्थियों को किया जाएगा प्रेरित

तकनीकी शिक्षा से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

पीजी कॉलेज के एडमिशन इंचार्ज डा. सतीश सैनी ने बताया कि वर्तमान समय में केवल पारंपरागत डिग्री लेने की बजाय तकनीकी और स्किल आधारित शिक्षा की मांग तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में सरकार का यह कदम ग्रामीण एवं मध्यमवर्गीय विद्यार्थियों के लिए काफी लाभकारी साबित हो सकता है। विशेष रूप से वे विद्यार्थी जो आर्थिक या अन्य कारणों से पहले इंजीनियरिंग शिक्षा नहीं ले पाए, अब बीएससी के बाद भी तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़ सकेंगे।

सीटों को भरने और रोजगार पर रहेगा फोकस

तकनीकी शिक्षा विभाग का मानना है कि प्रदेश में बड़ी संख्या में विद्यार्थी परंपरागत डिग्री कोर्सों में दाखिला तो ले लेते हैं, वहीं दूसरी ओर इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संस्थानों में कई सीटें खाली रह जाती हैं। ऐसे में सरकार अब विज्ञान वर्ग विशेषकर बीएससी नॉन मेडिकल विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा से जोड़कर उन्हें रोजगारपरक कोर्सों की ओर प्रेरित करना चाहती है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार बीटेक लेटरल एंट्री के माध्यम से विद्यार्थी कम समय में तकनीकी डिग्री प्राप्त कर निजी कंपनियों, औद्योगिक इकाइयों और सरकारी क्षेत्रों में रोजगार के बेहतर अवसर हासिल कर सकते हैं। यही कारण है कि अब कॉलेज स्तर पर विशेष जागरूकता अभियान चलाने की योजना बनाई गई है।

कॉलेजों में लगाए जाएंगे विशेष जागरूकता शिविर

टेक्नीकल एजूकेशन विभाग की ओर से जारी पत्र प्रदेश के सरकारी कॉलेजों एवं अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों के प्राचार्यों के नाम भेजा गया है। इसमें निर्देश दिए गए हैं कि बीएससी नॉन मेडिकल विद्यार्थियों को बीटेक लेटरल एंट्री की पात्रता, प्रवेश प्रक्रिया और भविष्य की संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाए। इसके लिए इंजीनियरिंग कॉलेजों एवं तकनीकी संस्थानों के विशेषज्ञ फैकल्टी सदस्यों द्वारा कॉलेजों में सेमिनार, कार्यशालाएं और काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाएंगे। विद्यार्थियों को यह बताया जाएगा कि वे बीएससी के बाद किस प्रकार सीधे बीटेक के दूसरे वर्ष में प्रवेश लेकर तकनीकी क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।

खबर संक्षेप

आयुर्वेद का चिकित्सा जांच शिविर कल

नारनौल। किला रोड स्थित वरिष्ठ नागरिक संगठन कार्यालय में 26 मई को सुबह 9 बजे निःशुल्क आयुर्वेदिक जांच एवं परामर्श शिविर आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए संगठन के प्रधान दुलीचंद शर्मा ने बताया कि मंगलवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयुष विभाग द्वारा यह निःशुल्क आयुष जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजित किया जा रहा है, जिसमें आयुष विभाग के डाक्टर, होम्योपैथिक विभाग के डाक्टर और योगा के लिए योगा स्पेशलिस्ट आदि उपस्थित होकर आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक और योगा से सम्बंधित जांच व परामर्श निःशुल्क देंगे और औषधि/दवाएं आदि वितरित की जाएंगी। इस कैम्प में वरिष्ठ नागरिकों के अतिरिक्त आमजन की भी जांच, इलाज व परामर्श फ्री होगा।

स्कूटी सवार छात्रा गंभीर रूप से घायल

कनीना। सिटी थाना क्षेत्र में एक बेहद दर्दनाक व लापरवाही का बड़ा मामला सामने आया है। सिहोर रोड पर एक निर्माणाधीन मकान के पास से स्कूटी पर सवार होकर गुजर रही कॉलेज छात्रा, मकान के लिए महिला व पुरुष की ओर से ले जाए जा रहे लोहे के सरिये की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गई। छितरोली निवासी बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा दीपिका दोपहर करीब 12.30 बजे अपनी स्कूटी पर सवार होकर घर से कॉलेज जा रही थी।

सैनी सभा कार्यकारिणी चुनाव : एक वोट के अंतर से हारी रेणू दहिया

सैनी सभा के हरिश एडवोकेट बने प्रधान, 29 वोट से जीते

जीत के बाद समर्थकों ने निकाला विजय जुलूस

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शहर की सबसे बड़ी सामाजिक संस्था सैनी सभा (रजि.) का त्रिवार्षिक चुनाव का फाइनल मुकाबला रविवार को हुआ। दोपहर में परिणाम घोषित कर दिए गए। 154 कॉलेजियम सदस्यों में से सर्वाधिक 68 वोट एडवोकेट हरिश सैनी के समर्थन में मिले। उनके प्रतिद्वंदी एडवोकेट सुरेंद्र सैनी थे, उन्हें 39 वोट ही मिले। इस तरह 29 वोट के अंतर से हरिश एडवोकेट सैनी सभा के प्रधान चुने गए। इस तरह उपप्रधान अरूण सैनी की सर्वाधिक 41 वोट के अंतर से जीते हुई। इसके अलावा महासचिव पद के लिए महज एक वोट के अंतर से हार जीत तय हुई। यहां जयसिंह को 56 व रेणू दहिया को 55 वोट मिले। दूसरी सबसे कम अंतर की जीत सचिव पद की रही। यहां मनीष सैनी ने मदनलाल को महज तीन वोट के अंतर से हराया।

कॉलेजियम सदस्य 155 है लेकिन अभी एक दिन पहले ही वार्ड नंबर 153 से कॉलेजियम चुनी गई मंजू से इस्तीफा चुनाव अधिकारी को भेज दिया। इस कारण 154 कॉलेजियम सदस्यों को सैनी सभा की कार्यकारिणी के चुनाव में हिस्सा लेना तय किया।

रविवार सुबह नौ बजे से दोपहर दो बजे के बीच था। इस कार्यकारिणी में पांच पद प्रधान, उपप्रधान, महासचिव, सचिव व कोषाध्यक्ष पद थे। इनमें प्रधान पद के लिए चार, उपप्रधान के लिए छह, महासचिव के लिए चार, सचिव के लिए तीन और कोषाध्यक्ष के लिए दो उम्मीदवार मैदान में रहे। शुरुआत में वोट डालने का कम रूझान देखने को मिला। सुबह नौ बजे से 11 बजे के बीच दो घंटे में महज 46 वोट ही डाले गए। इसके बाद जब दोपहर एक बजे का समय हुआ तो वोट 100 डाले जा चुके थे। इसके बाद एक बजे से दो बजे के बीच 54 मतदाताओं ने अपने वोट का इस्तेमाल किया। इनमें अधिकांश खुद उम्मीदवार थे।

चुनाव अधिकारी संदीप एडवोकेट, उप चुनाव अधिकारी सुरेंद्र सैनी व पर्यवेक्षक रोशनलाल सैनी ने बताया कि कार्यकारिणी का चुनाव शांतिप्रिय तरीके से सम्पन्न हुआ। इसमें पुलिस प्रशासन का भी अहम सकारात्मक किरदार रहा। अब आगामी गतिविधि कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को शपथ दिलाने की रहेगी।

नारनौल। जीत के बाद समर्थकों के साथ जश्न मनाते प्रधान हरिश एडवोकेट। फोटो: हरिभूमि

नारनौल। वोट डालते कॉलेजियम सदस्य।

यह रहा परिणाम

हरिश एडवोकेट प्रधान

प्रधान पद : प्रधान पद के लिए चार उम्मीदवार मैदान में थे। ओमप्रकाश सैनी को महज 10 वोट ही मिले। रोहताश सैनी को 36 और एडवोकेट सुरेंद्र सैनी को 39 वोट मिले है। वहीं एडवोकेट हरिश सैनी ने 68 वोट हासिल किए। इस तरह एडवोकेट हरिश सैनी 29 वोट से जीते और प्रधान चुने गए। एक वोट कैंसिल माना गया।

अरूण सैनी उपप्रधान

उपप्रधान पद : इस पद के लिए सर्वाधिक छह उम्मीदवार मैदान में थे। जिनमें सर्वाधिक वोट अरूण सैनी ने 67 वोट हासिल किए। दूसरे नंबर पर महेंद्र सैनी को 26 वोट ही मिले। इस तरह अरूण सैनी सर्वाधिक 41 वोट के अंतर से जीते। इनके अलावा मानसिंह सराय दुसरान को 22, मानसिंह शेखपुरा को 17, प्रदीप सैनी को 12 और भवानी शंकर को महज 9 वोट ही मिले। एक वोट कैंसिल हो गया।

जयसिंह महासचिव

महासचिव पद : महासचिव पद के लिए चुनावी मैदान में चार उम्मीदवार मैदान में थे। इस पद का चुनाव बहुत नजदीकी रहा। इस पद पर जयसिंह सैनी ने 56 और महिला उम्मीदवार रेणू दहिया ने 55 वोट हासिल किए। महज एक वोट के अंतर से रेणू दहिया की हार हुई। इन दोनों उम्मीदवारों के अलावा तीसरे उम्मीदवार सतीश सैनी को 33 और प्रेमचंद सैनी को महज 10 वोट ही मिले।

मनीष सैनी सचिव

सचिव पद : सचिव पद के लिए तीन उम्मीदवार मैदान में थे। जिनमें से मनीष सैनी को 70 वोट मिले। उनके प्रतिद्वंदी मदनलाल सैनी को 67 वोट मिले। इस तरह मनीष सैनी ने तीन वोट से जीत हासिल की। तीसरे उम्मीदवार मोहरसिंह को 17 वोट मिले।

कमल सैनी कोषाध्यक्ष

कोषाध्यक्ष पद : इस पद पर दो उम्मीदवार आमने सामने थे। जिसमें से कमल सैनी ने 81 और विकास सैनी ने 73 वोट हासिल किए। इस तरह कमल सैनी ने 8 वोट से जीत हासिल की।

नारनौल। गांव शहरपुर की पहाड़ी में लगी आग से जली घास। फोटो: हरिभूमि

शहरपुर की पहाड़ी में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

पुलिस व फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची, ग्रामीणों ने बिजली तार ऊंचे करने की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

क्षेत्र के गांव शहरपुर स्थित पहाड़ी क्षेत्र में रविवार को बिजली के तारों में हुए शॉर्ट सर्किट के कारण सूखी घास में अचानक आग लग गई। आग लगते ही आसपास के क्षेत्र में हडकंप मच गया। हालांकि ग्रामीणों की सतर्कता और तत्परता के चलते समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना में किसी प्रकार के जान माल के नुकसान की सूचना नहीं है।

जानकारी के अनुसार पहाड़ी क्षेत्र से गुजर रही बिजली लाइन के तारों में अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे निकली चिंगारी सूखी घास पर गिर गई और देखते ही देखते आग फैलने लगी। तेज गर्मी और हवा के कारण आग ने कुछ ही देर में बड़ा रूप लेना शुरू कर दिया। धुआं और आग की लपटें उठती देख ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और अपने स्तर पर आग बुझाने में जुट गए। ग्रामीणों ने मिट्टी, टहनियों और पानी की सहायता से काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम और फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी मौके पर पहुंची। फायर कर्मियों ने आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण कर आग पूरी तरह बुझने की पुष्टि की तथा किसी भी संभावित खतरे को टाल दिया।

ग्रामीणों ने बताया कि यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो आग आसपास के पहाड़ी क्षेत्र, खेतों व आबादी क्षेत्र तक पहुंच सकती थी, जिससे बड़ा नुकसान हो सकता था। ग्रामीणों ने बिजली निगम से मांग की कि पहाड़ी क्षेत्र से गुजर रहे बिजली के तारों को ऊंचा उठाया जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके।

रिटायर्ड बैंक कर्मी से ठगी के मामले में गिरफ्तार आरोपित से 5 लाख बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

पुलिस साइबर थाना टीम ने साइबर ठगी के मामले में एक आरोपित हर्ष वासी सांगानेर को जयपुर क्षेत्र से गिरफ्तार किया था। जिसे न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया था। रिमांड के दौरान पूछताछ में पुलिस ने आरोपित से पांच लाख रुपये बरामद किए हैं। आरोपित को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस मामले में अब तक कुल आठ लाख 75 हजार रुपये बरामद कर लिए गए हैं।

साइबर अपराध के नोडल अधिकारी एएसपी फैजल खान व आईपीएस बैशाख बागी के मार्गदर्शन में साइबर थाना की पुलिस टीम द्वारा यह बड़ी कार्रवाई की गई है। एक सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारी के साथ हुई 10 लाख रुपये से अधिक की ऑनलाइन धोखाधड़ी हो गई थी। 25 मार्च को नारनौल निवासी बैंक के सेवानिवृत्त कर्मचारी ने साइबर थाना में शिकायत दी थी। शिकायत में उसने बताया था कि फेसबुक पर पेंशनर रिटायरमेंट बेनिफिट्स के नाम से एक विज्ञापन देखा था। उस लिंक पर क्लिक करते ही उसके मोबाइल में एक अज्ञात एपीके फाइल इंस्टॉल हो गई।

मुगावने लिंक से बचे

इस मामले में पुलिस ने गहन जांच के आधार पर कार्रवाई करते हुए 21 मई को हर्ष नामक एक आरोपित को जयपुर से गिरफ्तार किया गया था। जिसके पास से बरामद मोबाइल फोन से सीएससी सेंटर की काफी फर्जी आईडी का रिकॉर्ड मिला, जिनका प्रयोग साइबर ठगी की वारदातों में किया जाता था। आरोपित हर्ष से पूछताछ में तीन लाख 75 हजार रुपये बरामद किए थे और रिमांड के दौरान पूछताछ में पांच लाख रुपये ओर बरामद किए गए हैं। पुलिस आम जनता से अपील की कि सोशल मीडिया पर मिलने वाले किसी भी लुभावने लिंक पर क्लिक न करें और किसी के कहने पर कोई भी ऐप या एपीके फाइल डाउनलोड न करें।

अवैध गतिविधियों पर निगरानी रखेगी गठित कमेटी

शहबाजपुर का लिंगानुपात बिगड़ने पर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

शहबाजपुर गांव में लगातार गिरते लिंगानुपात ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। करीब 2500 की आबादी वाले इस गांव में एक जनवरी से 30 अप्रैल तक कुल नौ शिशुओं का जन्म दर्ज किया गया, जिनमें सात लड़के और केवल दो लड़कियां शामिल हैं। इस आंकड़े के अनुसार गांव का लिंगानुपात एक हजार लड़कों पर मात्र 285 लड़कियां रह गया है, जिससे चिंतित विभाग ने सीएचओ विकास यादव की अगुवाई में कमेटी बनाई है। साथ ही गांव में जागरूकता अभियान चलाया गया।

सीएचओ ने बताया कि खराब लिंगानुपात को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य विभाग ने गांव में विशेष निगरानी अभियान शुरू कर दिया है। एक निगरानी कमेटी गठित की गई है, जिसमें आशा वर्कर, एएनएम तथा पंचायत प्रतिनिधि शामिल रहेंगे, जो गर्भवती महिलाओं की नियमित निगरानी करेगी तथा संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखेगी। विभाग की ओर से गांव में लोगों को जागरूक करने के लिए रैली भी निकाली गई। जिसमें ग्रामीणों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया गया। स्वास्थ्य कर्मचारियों ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि भ्रूण लिंग जांच करना और करवाना कानूनन अपराध है। ऐसा करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति अवैध लिंग जांच या भ्रूण हत्या संबंधी गतिविधियों की पुख्ता सूचना देता है, तो उसे सरकार की ओर से एक लाख रुपये तक का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। साथ ही सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने ग्रामीणों से बेटियों को समान अधिकार देने और समाज में बेटियों के महत्व को समझने की अपील की। इस मौके पर सरपंच बिक्रम सिंह, एएनएम सुमन गुर्जर, नीतू कुमारी, एलएचवी मुकेश, निर्मला आशा वर्कर, सरला आदि मौजूद रहे।

नांगल चौधरी। ग्रामीणों को बेटियों को बचाने के लिए प्रेरित करते विभागीय कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

आस्था का केंद्र

झज्जर जिले के बेरी कस्बा में दो मंदिर हैं और इनमें रखी जाने वाली माता भीमेश्वरी देवी की मूर्ति एक ही है। बताते हैं कि प्रारंभ में इस जगह पर घना जंगल था। इसमें ऋषि दुर्वासा रह रहे थे। ऋषि दुर्वासा रोजाना सुबह माता भीमेश्वरी देवी की मूर्ति को बाहरी मंदिर में लाते और दोपहर बाद मूर्ति को भीतरी मंदिर में रख देते थे। मूर्ति को आंतरिक मंदिर से बाहरी मंदिर तक ले जाने की यह प्रक्रिया अभी भी धार्मिक रूप से पालन की जा रही है।

हरियाणवी के अनन्य साधक रहे पं. हरिकेश पटवारी

हरिकेश पटवारी न केवल एक उत्कृष्ट कोटि के कवि थे, बल्कि वे एक कुशल रेडियो गायक, प्रखर विचारक और समाज के यथार्थ को अपनी रचनाओं में हुबहू उतारने वाले दूरदर्शी कलाकार थे जिन्होंने अपनी सहज और सरल लोकभाषा के माध्यम से लोक-साहित्य को एक नया आयाम दिया।

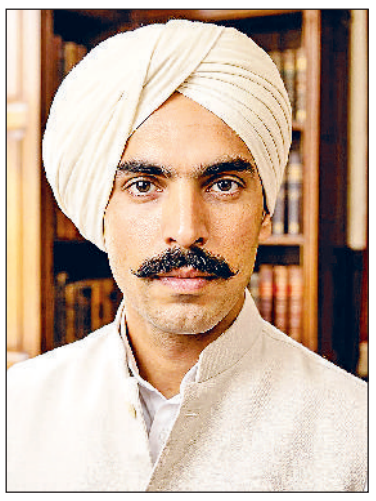

लोक साहित्य

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणा का लोक-साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि जनमानस के संघर्षों, नैतिक मूल्यों और सामाजिक चेतना का एक जीवंत दस्तावेज़ है, जिसने सदियों से इस क्षेत्र की पहचान को अक्षुण्ण रखा है। 'सांग' और 'रागनी' जैसी समृद्ध विधाओं के साहित्यिक क्षेत्र में अनेक ऐसी महान विभूतियां उभरीं, जिन्होंने अपनी अनमोल लेखनी से लोक-भाषा को अमर बना दिया।

इसी श्रृंखला में एक दैदीप्यमान नक्षत्र की तरह चमकते हैं लोककवि पं. हरिकेश पटवारी। पं. हरिकेश पटवारी न केवल एक उत्कृष्ट कोटि के कवि थे, बल्कि वे एक कुशल रेडियो गायक, प्रखर विचारक और समाज के यथार्थ को अपनी रचनाओं में हुबहू उतारने वाले दूरदर्शी कलाकार थे जिन्होंने अपनी सहज और सरल लोकभाषा के माध्यम से लोक-साहित्य को एक नया आयाम दिया। पं. हरिकेश पटवारी का जन्म पंडित उमाशंकर और बसन्ती देवी के घर में 7 अगस्त 1898 को तत्कालीन पंजाब के संगरूर जिले के अंतर्गत आने वाले धनौरी गांव में हुआ था, जो वर्तमान समय में हरियाणा के कैथल जिले की नरवाना तहसील का हिस्सा है। उनके जन्म के समय यह क्षेत्र पटियाला रियासत का एक अभिन्न हिस्सा हुआ करता था, जिससे उनके जीवन और प्रारंभिक वैचारिक विकास पर रियासती दौर की व्यवस्थाओं और ग्रामीण परिवेश का गहरा प्रभाव पड़ा। एक साधारण ब्राह्मण परिवार में जन्मे हरिकेश की प्रारंभिक शिक्षा धनौरी में ही संपन्न हुई, जिसके बाद वे उच्च शिक्षा के लिए पंजाब के खन्ना क्षेत्र में चले गए और वहां से अपनी माध्यमिक शिक्षा पूरी की। उन्होंने राजस्व विभाग में पटवारी के पद पर सरकारी सेवा प्रारंभ की। इसी पद पर कार्य करने के कारण वे लोकमानस में पं. हरिकेश पटवारी के नाम से विख्यात हुए और उन्हें ग्रामीण समाज, किसानों की समस्याओं और सरकारी तंत्र की कार्यप्रणाली को बहुत ही करीब से देखने का अवसर मिला। वे अपनी कुशाग्र बुद्धि, तीक्ष्ण समझ और हाजिर-जवाबी के लिए पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध थे तथा उन्होंने कई भाषाओं में लेखन का कार्य भी किया। वर्ष 1947 में देश की आजादी के बाद जब भारत एक नए युग में प्रवेश कर रहा था, तब हरियाणा के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिवेश को उन्होंने बहुत ही विश्वसनीय, प्रामाणिक और पारदर्शी ढंग से अपनी रचनाओं के माध्यम से जनता के सामने प्रस्तुत किया। उनकी रचनाओं में व्यक्त सच्चाई और सहज कला के कारण उनकी रागनियां आम जनमानस में अत्यधिक लोकप्रिय हुईं, क्योंकि ग्रामीण आंचल के किसान, मजदूर और सामान्य नागरिक उनकी कविताओं में अपनी ही आवाज पाते थे। उनकी चार पुस्तकें हरियाणवी लोक-साहित्य की अनमोल धरोहर मानी जाती हैं, जिनमें वैराग्य रत्नमाला, आजादी की झलक, हरिकेश पुष्पांजलि और प्रश्नोतरी शामिल हैं। इन प्रकाशित पुस्तकों के अतिरिक्त उनकी कई अमूल्य रचनाएं अप्रकाशित भी रह गईं जिनमें सत्यवान-सावित्री, जानी चोर, हरफूल जाट और ऊखा-अनिरुद्ध आदि किस्से शामिल हैं जो प्रमाणित करती हैं कि उनकी पैठ पौराणिक आख्यानों से लेकर समकालीन लोक-इतिहास तक समान रूप से गहरी थी। पं. हरिकेश पटवारी के काव्य का क्षेत्र अत्यंत व्यापक है जिसमें ईश्वर की असीम सत्ता और प्रकृति के रहस्यों के प्रति गहरा कौतुक और दार्शनिक दृष्टिकोण दिखाई देता है जिसका एक अनुपम उदाहरण उनके इस काव्य संदर्भ में मिलता है जहाँ वे कहते हैं:बड़े बड़े गए हार, तेरी है अपार माया ,कहीं परथल कहीं चलें फवारे, तेरी कुदरत के अजब नजारे,तारे चन्द्रमा और भान, बादल बिजली के निशान,बिना खंभे आसमान, कौन से सीस पर टिकाया ।इन पंक्तियों में कवि ने ब्रह्मांड की रचना पर आश्चर्य और श्रद्धा व्यक्त करते हुए बताया है कि बड़े-बड़े विद्वान भी ईश्वर की इस अपार माया को समझने में हार मान चुके हैं और बिना किसी खंभे या सहारे के इस विशाल आसमान को ईश्वर ने किस अदृश्य शीश या आधार पर टिका रखा है यह इंसानी बुद्धि के परे है। हरिकेश एक सजग लोककवि थे इसलिए वे समाज में व्याप्त विसंगतियों और अन्याय को देखकर चुप नहीं रह सके और उन्होंने उस कड़वे यथार्थ को अपनी कविता का विषय बनाया जहां सदाचारी दुखी हैं और पापी सुखी हैं जिसके बारे में वे भगवान से ही सीधे प्रश्न करते हैं:

भूखे मरते भक्त, ऐश करते ठग चोर जवारी क्यूं,
फिर भगवान तनै न्यायकारी कहती दुनिया सारी क्यूं,
नशे विषे में मस्त दुष्ट सुख की निद्रां सोते देखे,
सतवादी सत पुरुष भूख में जिन्दगानी खोते देखे,
एम.ए. बी.ए. पढ़े लिखे सिर पर बोझा ढोते देखे

यह रचना उनकी सामाजिक चेतना का चरमोत्कर्ष है जिसमें वे शिक्षा और रोजगार की विसंगति पर प्रहार करते हुए कहते हैं कि उच्च शिक्षा प्राप्त योग्य युवा बेरोजगार होकर सिर पर बोझा ढोने के लिए मजबूर हैं जबकि मूर्ख और अनपढ़ लोग ऊंचे पदों और कुर्सियों पर आसीन होकर राज कर रहे हैं। कवि ने संसार के लोगों के स्वभाव और प्रवृत्तियों का बहुत ही सूक्ष्म अध्ययन किया था और वे जानते थे कि हर मनुष्य अपनी ही धुन में, अपने ही स्वभाव में मस्त है जिसे वे अपनी पंक्तियों में इस प्रकार व्यक्त करते हैं:

कोई अनुरागी कोई त्यागी कोई बल और धन में मस्त कोई,
कोई ज्ञानी कोई ब्रह्मज्ञानी खल मूर्खपन में मस्त कोई,
रज्या मरै कोई बरत करे और पौ भर अन्न में मस्त कोई,
झक मारै कोई बक मारै रहै मोनी मन में मस्त कोई।

यह काव्य संदर्भ सिद्ध करता है कि वे एक महान मनोवैज्ञानिक कवि थे जिन्होंने मानव व्यवहार के हर रंग को पहचानकर उसे शब्दों में ढाला।एक सच्चे कलाकार और स्वाभिमानी कवि के रूप में पं. हरिकेश पटवारी ने कभी भी अपनी कला का सौदा नहीं किया और वे जानते थे कि जहां कला, ज्ञान और गुणी जनों की कद्र न हो, वहां अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना व्यर्थ है जिसे वे इस प्रकार प्रकट करते हैं:

जहां जूत लगें और मिले मिठाई वो अनखज खाणा के,
जो कह के गुरु-गुरु बणजै इसे सतसंग का पाणा के,
जहां मूरख लंठ राज बैठे वहां निरगुण का गाणा के,
तै बिना कदर हरीकेश पकड़ ली कविता मूठ ढाल की।

यहां वे उन पाखंडी और धूर्त लोगों पर चोट करते हैं, जो केवल छल से किसी के गुरु बन बैठते हैं और जहां कला की कोई कद्र ही नहीं है, वहां कविता रचना व्यर्थ मानते हैं। वैराग्य और दर्शन के क्षेत्र में पं. हरिकेश पटवारी का दृष्टिकोण अद्वैतवादी संतों जैसा था जो ईश्वर को चराचर जगत के कण-कण में व्याप्त देखते थे, इसे उन्होंने बहुत ही सुंदर शब्दों में पिरोते हुए लिखा है:

भगत तेरे बस रहे सदा भगतों के बस में तू है,
लता पात फल फूल मूल धातु सब रस में तू है,
रूप चरम लहू माँस हाड़ नाड़ी नस-नस में तू है,
वन मरण लाभ हानि सब जस-अपजस में तू है।

कवि कहता है कि वनस्पति की लताओं, पत्तों, फलों, फूलों और मनुष्य के भौतिक शरीर की हड्डियों, नाड़ियों और नस-नस में केवल वही विधाता व्याप्त है। लोककवि का एक मुख्य दायित्व समाज को सही मार्ग दिखाना और नैतिक मूल्यों की स्थापना करना भी होता है। उन्होंने आम जनमानस को जीवन जीने की कला सिखाते हुए इस प्रकार उपदेश दिया है:

शील सबर धीरज धारण करके सन्तोषी रहा कर,
चोरी जारी बदकारी से सौ-सौ कोस दूर रहा कर,
अफीम शराब चरस भंग पीकर मत बेहोश रहा कर,
कंच पात्रसम शुद्धचित्त निर्मल निर्दोष रहा कर।

इन पंक्तियों में कवि मनुष्य को समझाते हैं कि वन में हमेशा शील, संतोष और धैर्य को धारण करना चाहिए तथा हर प्रकार के बुरे कर्मों और नशों से दूर रहकर अपना चरित्र कांच के साफ बर्तन के समान निर्मल रखना चाहिए। पं. हरिकेश ने अपनी राष्ट्रभक्ति और स्वतंत्रता आंदोलन के संघर्षों को भी अपनी अमर लेखनी से अंकित किया है जिसका जीवंत प्रमाण उनकी पुस्तक आजादी की झलक से मिलता है, जहां वे ब्रिटिश हुकूमत के अत्याचारों और उनकी दमनकारी नीतियों का अत्यंत मार्मिक चित्रण करते हुए लिखते हैं:

अंग्रेजों ने म्हारे देश को बिल्कुल चकनाचूर किया।
लूट लिया धन माल हिन्द का अपना घर भरपूर किया।
ऐसी डाली फूट सगा भाई भाई से दूर किया।
बंधी बुहारी खोल बिखेरी कितना बड़ा कसूर किया।

इन पंक्तियों के माध्यम से कवि ने उस ऐतिहासिक सच्चाई को बयां किया है कि कैसे विदेशी शासकों ने भारत की अपार धन-संपदा को लूटकर अपने देश को भरा और हमारी आपसी एकता को छिन्न-भिन्न करने के लिए फूट डालो और राज करो की कुटिल नीति अपनाई जिससे उन्होंने प्रेम से रहने वाले सगे भाइयों को एक-दूसरे से दूर कर दिया और पूरे समाज को तिनके-तिनके की तरह बिखेर कर देश को कमजोर कर दिया। इस महान सफलता और लोक-सेवा के पथ पर चलते हुए अंततः 8 फरवरी 1954 को पं. हरिकेश पटवारी इस नश्वर संसार से चल बसे परंतु अपनी अमर लेखनी के कारण वे आज भी लोक-मानस में जीवित हैं। पं. हरिकेश पटवारी के काव्य की सबसे बड़ी विशेषता उसकी भाषा की तरलता और सरलता है जो ठेठ हरियाणवी और लोक-भाषा का ऐसा सुसंस्कृत रूप है जिसे समाज का हर वर्ग समान रूप से समझ सकता है। उन्होंने एक पटवारी के रूप में समाज के व्यावहारिक धरातल को नापा और एक कवि व गायक के रूप में समाज की आत्मा को झंकृत किया जिससे उनका जीवन अत्यंत सादगीपूर्ण और साहित्यिक योगदान अत्यंत विशाल व समृद्ध रहा। भले ही वे आज हमारे बीच भौतिक रूप से उपस्थित नहीं हैं लेकिन उनका जीवन दर्शन और उनकी कालजयी रचनाएं हरियाणवी लोक-साहित्य के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेंगी और आने वाली पीढ़ियों को हमेशा सत्य, सदाचार और लोक-संस्कृति के प्रति निष्ठा की प्रेरणा देती रहेंगी।

भले ही वे आज हमारे बीच भौतिक रूप से उपस्थित नहीं हैं लेकिन उनका जीवन दर्शन और उनकी कालजयी रचनाएं हरियाणवी लोक-साहित्य के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेंगी और आने वाली पीढ़ियों को हमेशा सत्य, सदाचार और लोक-संस्कृति के प्रति निष्ठा की प्रेरणा देती रहेंगी।

पं. हरिकेश पटवारी के काव्य की सबसे बड़ी विशेषता उसकी भाषा की तरलता और सरलता है जो ठेठ हरियाणवी और लोक-भाषा का ऐसा सुसंस्कृत रूप है, जिसे समाज का हर वर्ग समान रूप से समझ सकता है।

रागिनी

सत्यवीर नाहड़िया

न्यूं बिदबान बतावैं

राग हुवैं छै-तीस रागनी, कोये छत्तीस गिणावैं।
दिखे राग की राणी हों ये,रै न्यूं बिदबान बतावैं।।

टेक-कळी अर तोड़ हुवैं सैं, इसकी धड़कण प्यारी।
कई तरां की कळी बतायी, हो ताल-तरज न्यूँ न्यारी।
गावण की न्यारी लयकारी,ये तिन्नूँ खास बणावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

हरियाणा अर चोगरदे नै ये सदा गूँजती आयी।
माँग साँग की भोत कदे थी,आग्गै फुटकड़ छायी।
वही रागणी पूरी पायी,जो कसी छंद म्हैं जावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

गाम-गाम म्हैं मिलैं गवैये,साज बजावैं न्यारे।
ढोलक-पेट्टी घड़वा-बैंजू,ताल मिलावैं सारे।
कथ कै गाग्ये बड्डे म्हारे,इब कौण उसी रच पावैं?
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

हरियाणा के सांगी-गायक,खूब दूर लग छाये।
कह 'नाहड़िया' कलमतोड़ वै, न्यारे इतिहास बणाये।
गावण के घर दूर बताये,पर रोज भतेरे गावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

कविता

त्रिलोक चंद फतेहपुरी

देश की अखंडता

नौजवानों देश का ऊंचा भाल राखियो ।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो।।

कयी देश द्रोही सिर अपणा ठावैं ।
देश की अखंडता नै तोड़णा चाहवै ।
ऐसे क्रूर जालिमों की पड़ताल राखियो ।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो ।।

सीमा पै पड़ोसी बैरी तण कै खड़ा सै ।
म्हारी एकता खंडित करण नै अड़ा सै ।
एकता कदे ना टूटे वा ढाल राखियो ।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो ।।

जात धर्म के कयी बणै सैं हिमाती ।
भाषा विवाद आळै घणै खुरापाती ।
उन दुष्टों का ध्यान हर हाल राखियो ।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो ।।

देश की अखंडता कायम , सुरक्षित हो
उन्नति के पथ पै देश सदा अग्रसित हो
त्रिलोक प्यारे देश को बेमिसाल राखियो ।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

संस्कृति

हरियाणा में ग्राम-राज की आत्मा और लोकतंत्र का अनौपचारिक मैदान कहलाती हैं चौपालें

चौपालों की नई भूमिका को निर्मित करना जरूरी

जनजीवन

डॉ. प्रियंका सौरभ

हरियाणा की धरती पर चौपालें ऐसे स्थान हैं, जहां गांव की खामोशी में राजनीति की बात होती है, लोक-संस्कृति की गूंज बजती है और सामाजिक ठहराव की गहरी दरारें भी दिखाई देती हैं। ये छोटे-छोटे, अक्सर मिट्टी-पगडंडियों के किनारे बने कच्चे मंच आज भी ग्रामीण जीवन की धड़कन बने हुए हैं। यही चौपालें आम जनता, महिलाओं, युवाओं और सत्ताधारियों के बीच अनौपचारिक संवाद का अनमोल माध्यम हैं, जिनकी गूंज आधुनिक राजनीति, नीति-निर्माण और लोक-संस्कृति तीनों स्तरों पर अपनी प्रासंगिकता बरकरार रखती है।

हरियाणा की चौपालें ग्रामीण समाज की पारम्परिक ग्राम-सभा की उत्तराधिकारी हैं, जहां समुदाय खुले आम बैठकर विवाद, नीति-प्रभाव और दैनिक समस्याओं पर बात करता है। यहां न केवल जमीन-पानी, सिंचाई, राशन-योजना या बिजली-समस्या जैसे मुद्दे उठते हैं, बल्कि गांव के बच्चों की शिक्षा, लड़कियों की सुरक्षा और पंचायत-निर्वाचन की रणनीति भी इसी अनौपचारिक मंच पर तैयार होती है। इस रूप में चौपाल लोकतंत्र की जड़ों का एक जीवित प्रतीक बन जाती है, जहां बिना नोटिस नियम-फाइल के आम आदमी की आवाज बिना फिल्टर के गूंजती है। लेकिन यही चौपालें एक कठोर सामाजिक सिस्टम का हिस्सा भी हैं, जहां जाति-प्रभुत्व, तानाशाही पितृत्व-नेतृत्व और वंशवाद की बातें भी अक्सर दबी आवाज में टकराती हैं। ऐसे में चौपाल एक दोहरी भूमिका निभाती है – वहीं जहां लोकतांत्रिक भागीदारी की संभावना झलकती है, वहीं सामाजिक विभाजन और असमानता की दीवारें भी और ऊंची उठती प्रतीत होती हैं। इस द्वंद्व के बीच चौपाल की नई भूमिका को निर्मित करना आज की जरूरत है।

हरियाणा में चुनावी रणनीति अक्सर दिल्ली या चंडीगढ़ के पार्टी-कार्यालयों से शुरू नहीं होती, बल्कि गांव-गांव की चौपालों से शुरू होती है। प्रत्येक पंचायत-निर्वाचन से पहले चौपालें "राजनीतिक मुख्यालय" बन जाती हैं, जहाँ उम्मीदवारों के विज्ञापन, समर्थकों की बैठकें और वोट-संरचना पर खुलकर चर्चा होती है। यहाँ जाति-समीकरण, वंशवाद-विरोध, नई पीढ़ी की अपेक्षाएं और सरकारी योजनाओं की वास्तविकता से जुड़े तथ्यों का जीवंत विश्लेषण होता है। इसी कारण चौपाल एक अनौपचारिक राजनीतिक बाज़ार भी बन जाती है, जहाँ मतदाता व उम्मीदवार दोनों एक-दूसरे से सीधा संवाद स्थापित करते हैं। यहाँ नारे नहीं, बल्कि रोटी-सिंचाई-रोज़गार जैसे ठोस विषय चर्चा का आधार होते हैं। इस प्रकार चौपाल राजनीति को ग्रामीण धरातल पर उतारती है और उसे अमूर्त राजनीतिक विचारों से आम जनजीवन से जोड़ती है। चौपालें राजनीति से हटकर ग्रामीण संस्कृति का एक जीवंत मंच भी हैं। यहां तीज, बासंत, लोहड़ी, दीपावली और विवाह-उत्सवों के समय हरियाणवी लोक-गीत, ठाप, झूमर, नाद-नृत्य और ग्रामीण लोक-कथाएं गूंजती हैं। यहीं झूले, मेहंदी, गीत-संगीत और भोज-संस्कृति से जुड़ी सामाजिक बातें भी चलती हैं, जिनसे ग्राम-समाज की भावनात्मक जुड़ाव और सामाजिक नेटवर्क जीवित रहते हैं। चौपाल सिर्फ सामाजिक-राजनीतिक मंच नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की अदृश्य रचनात्मक ऊर्जा का भी एक महत्वपूर्ण अभिव्यक्ति-स्थल है। यहीं से लोक-कथाएं, भावनाओं की भाषा और नारी-पहल की छोटी-छोटी शुरुआतें शहर-स्तरीय उत्सवों और मेलों के माध्यम से बाहर दुनिया तक पहुंचती हैं। आधुनिक युग में चौपालों की भूमिका अपने आप बदल रही है।

मोबाइल, डिजिटल मीडिया और ऑनलाइन बात-चीत ने ग्रामीण जनता की जानकारी के स्तर को उठाया है, लेकिन इसके साथ-साथ युवा पीढ़ी की चौपालों से दूरी भी बढ़ रही है। जहाँ कभी गांव के बुजुर्ग और युवा एक ही छत्र में बैठकर बातचीत करते थे, वहाँ आज सोशल-मीडिया और व्हाट्सएप ग्रुप अक्सर नए मंच बन जाते हैं। चौपाल की अवधारणा को नवीनीकरण की ज़रूरत है। यह डिजिटल युग के साथ जुड़कर एक नई पहचान बना सकती है जैसे "डिजिटल चौपाल", "युवा चौपाल" या "नारी चौपाल", जहां ग्रामीण समाज की नई पीढ़ी की भाषा और चिंताओं को भी समान रूप से शामिल किया जा सके। हरियाणा में चौपलों की गूँज आज भी जीवित है, लेकिन इसे सिर्फ पारम्परिक प्रतीक के रूप में न रखकर एक नवीनीकृत सामाजिक और सांस्कृतिक मंच के रूप में देखने की आवश्यकता है। यह चौपाल आज भी ग्रामीण जनता की आवाज, राजनीति की बुनियाद और सांस्कृतिक धड़कन तीनों को एक साथ जोड़ती है। इसे सुदृढ़ करना और उसे नवीन रूप देना, आधुनिक ग्राम-राज्य की स्वस्थ प्रगति के लिए अनिवार्य है।

सपनों को उम्र नहीं, सिर्फ हौसला चाहिए : डिंपल चौधरी

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

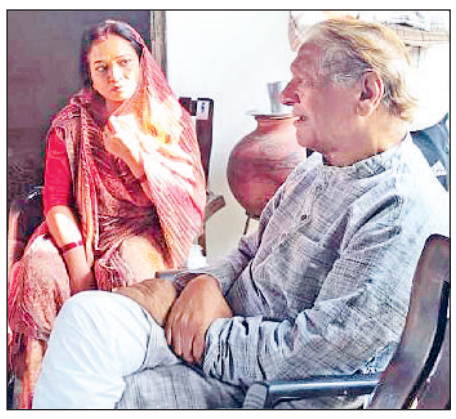

जिंदगी सिर्फ जिम्मेदारियों का नाम नहीं होती, कभी-कभी अपने अंदर छुपे कलाकार को जी लेना भी ज़रूरी होता है- यह पंक्ति सिर्फ़ एक विचार नहीं, बल्कि डिंपल चौधरी के पूरे जीवन का सार है। एक ऐसी महिला, जिसने परिवार, नौकरी और सामाजिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ अपने सपनों को भी पूरी शिद्दत से जिया और यह साबित किया कि अगर हौसले ज़िंदा हों, तो सपनों की कोई उम्र नहीं होती।

नोएडा में रहने वाली डिंपल का जन्म पुठकला में हुआ और उनकी पूरी पढ़ाई-लिखाई नजफगढ़ में हुई। बचपन से ही वह उन लड़कियों में शामिल रहीं जो सिर्फ़ किताबों तक सीमित नहीं थीं। स्कूल का कोई भी कार्यक्रम हो -डांस, स्पोर्ट्स, स्टेज एक्टिंग या अन्य गतिविधियां, उनका नाम हमेशा सबसे आगे रहता। अपने कॉलेज के दिनों में उन्होंने बैडमिंटन में भी कई पुरस्कार जीते। आज वह दिल्ली यूनिवर्सिटी में कार्यरत हैं और अपने काम को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभा रही हैं। उनके पति सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में अपना व्यवसाय चलाते हैं और हर कदम पर उनका हौसला बढ़ाते रहे हैं। डिंपल ने ससुराल में भी उनकी सासू मां, जो एक रिटायर्ड प्रिंसिपल रह चुकी हैं, से डिंपल ने अनुशासन और आत्मविश्वास सीखा। परिवार के अन्य सदस्य देवर-देवरानी सभी ने हमेशा उन्हें प्यार और सहयोग दिया। डिंपल बहुत अच्छी डांसर हैं।

उन्होंने कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों और मंचों पर अपनी नृत्य प्रस्तुतियां दीं। उनके लिए डांस केवल कला नहीं, बल्कि आत्मा की आवाज़ है। धीरे-धीरे उनका अभिनय सफर भी आगे बढ़ता गया। उन्होंने कई शॉर्ट फिल्मों में काम किया, जिनमें "ये ही दहेज है", "परिश्रम", "पारखी", "मेरा परिवार", "अच्छी फीलिंग", "खास दोस्त", "बेटे की खुशी" और "सबक" जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग भूमिकाएं निभाईं। इन फिल्मों ने उन्हें केवल अभिनय ही नहीं सिखाया, बल्कि समाज को और करीब से समझने का अवसर भी दिया। उन्होंने एफटीएएफटी डिजिटल प्रोडक्शन के साथ कई रचनात्मक प्रोजेक्ट्स में काम किया और कैमरा विज़न प्रोडक्शन के पॉडकास्ट में अपने जीवन व अभिनय सफर को खुलकर साझा किया। उनके अभिनय जीवन में कई ऐसे अवसर आए, जिन्होंने उनके आत्मविश्वास को और मजबूत किया। उन्हें बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और रजनीकांत की फिल्म रोबोट 2.0 और प्रसिद्ध लोक गायिका मालिनी अवस्थी के साथ काम करने का अवसर मिला। हाइफा ग्रुप से जुड़ना डिंपल चौधरी के जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, जहां उन्हें बड़े कलाकारों से सीखने और अपने हुनर को निखारने का अवसर मिला। हाइफा के मंच पर अपनी शानदार डांस प्रस्तुतियों के जरिए उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई। आज डिंपल चौधरी कई बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। उन्होंने हरियाणा की मशहूर कलाकार सपना चौधरी के साथ आने वाली हरियाणवी फिल्म "फौजन" में काम किया है, जो जल्द ही रिलीज़ होने वाली है। इसके अलावा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और हरियाणवी कलाकार राखी लोहचब के साथ भी उनका एक नया प्रोजेक्ट आने वाला है। साथ ही बॉलीवुड अभिनेता राजेंद्र गुप्ता के साथ भी उन्होंने एक फिल्म में काम किया है, जो जल्द दर्शकों के सामने होगी। हरियाणवी सिनेमा में अपने अनुभव और सिनेमा में आए बदलावों के संदर्भ में डिंपल का मानना है कि आजकल हरियाणवी सिनेमा में पहले की तुलना में अधिक फ़िल्में, वेब सीरीज़, पारंपरिक गीतों के साथ-साथ नई धुनों और आधुनिक संगीत का भी निर्माण किया जा रहा है। इससे नई प्रतिभाओं को अपनी कला दिखाने का अवसर मिल रहा है और हरियाणवी मनोरंजन जगत की गुणवत्ता में भी निरंतर सुधार हो रहा है।

हरियाणवी बोली, संस्कृति और सकारात्मक हरियाणवी सोच को अब बॉलीवुड में भी विशेष पहचान और सराहना मिलने लगी है। यही कारण है कि आने वाले समय में हरियाणवी सिनेमा नई ऊंचाइयों को छूने की प्रबल संभावनाएं रखता है। आज डिंपल चौधरी सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों से जुड़ी रहती हैं, जहां उनके डांस और एक्टिंग वीडियोज़ कई महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुके हैं। वह मानती हैं कि शादी, परिवार और नौकरी के बाद भी सपनों को जिया जा सकता है, अगर दिल में सच्चा जुनून हो। जब लोग उनसे समय निकालने का राज पूछते हैं, तो वह मुस्कुराकर कहती हैं - "जिस चीज़ से सच्ची खुशी मिले, उसके लिए समय अपने आप बन जाता है।" आज भी वह लगातार सीख रही हैं, आगे बढ़ रही हैं और अपने सपनों को जी रही हैं। उनकी कहानी यह साबित करती है कि हौसले मजबूत हों, तो सपनों की कोई उम्र नहीं होती।

खबर संक्षेप

शिव मंदिर नहर कॉलोनी में किया जागरण

नारनौल। श्रीश्याम महायज्ञ आयोजन समिति के तत्वावधान में शिव मंदिर नहर कॉलोनी जागरण किया गया। बाबा का आलौकिक श्रृंगार किया गया। सर्वप्रथम आचार्य नारायण शास्त्री ने मुख्य यजमान से विधिवत पूजन करवाया। मास्टर मोहन सागर ने गणेश वंदना करके कार्यक्रम का आगाज किया। इसके बाद डॉ. राहुल शर्मा ने आजा श्याम आजा, शिवा ने किस्मत वालों को मिलता है श्याम तेरा दरबार, प्रवीण शर्मा ने शिव पार्वती वंदना, सुदेश शर्मा ने मौज हो गई रोज हो गई, संजय ने आओ बाबा कीर्तन में रंग बरसे, डॉ. सुभाष ने बात मेरे दिल की, दीपक दीवान ने राधे तेरे चरणों की आदि भजनों से भगवान की महिमा का गुणगान किया।

भक्तिके रंग में रंगी श्रीराधा कृष्ण प्रभातफेरी

नारनौल। नगर की प्रसिद्ध सामाजिक एवं धार्मिक संस्था श्रीराधा कृष्ण प्रभातफेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ 175वीं प्रभात फेरी का भव्य आयोजन रेलवे स्टेशन रोड से किया गया। प्रातः कालीन बेला में श्रद्धालुओं ने ठाकुर जी की आरती व मंगलाचरण के साथ प्रभात फेरी का शुभारंभ हुआ। प्रभात फेरी के यजमान भारत तायल व मनोज तायल परिवार रहा। उपस्थित श्रद्धालुओं का चंदन तिलक लगाकर व राधे राधे के जयघोष के साथ आत्मीय स्वागत किया गया।

पिता की पुण्यतिथि पर लगाई सवामणी

महेंद्रगढ़। श्री गोशाला धोलपोश आश्रम में रविवार को सवामणी आयोजित की गई। स्व. मुस्सदी लाल शर्मा की पुन्य तिथि पर उनके पुत्र कैलाशचंद, मा. हरेन्द्र शर्मा, सुनील कुमार शर्मा ने अपने परिवार जनों के साथ परिवार की सुख शांति समृद्धि के लिए सवामणी का आयोजन कर गायों को चाट खिलाई व गोपालो को मीठा भोजन करवाया। गोशाला धोलपोश प्रधान रविंद्र तिवाड़ी ने कहा कि गो सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है।

हजारों ग्रामीणों को मिलेगा लाभ और गांवों से शहरों तक आवागमन हो सकेगा सुगम

आठ करोड़ 31 लाख रुपये की लागत से बनेंगी दो ग्रामीण सड़कें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर यातायात सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रशासन ने करीब आठ करोड़ 31 लाख रुपये की लागत से दो नई ग्रामीण सड़कों के निर्माण की योजना तैयार की है। प्रशासन द्वारा बुचौली से बचीनी तक 3.66 किलोमीटर सड़क का निर्माण कराया जाएगा, जिस पर लगभग दो करोड़ 32 लाख रुपये की लागत आएगी।

इसके अलावा बलवान ट्रैक्टर एजेंसी से सोहला राजस्थान बॉर्डर तक वाया खायरा, बलायचा और ढाढ़ोत नौ किलोमीटर सड़क का निर्माण किया जाएगा, जिस पर करीब 5 करोड़ 99 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इन सड़कों के निर्माण से क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा और गांवों से शहरों तक आवागमन पहले की तुलना में अधिक तेज और सुगम हो सकेगा। अधिकारियों के अनुसार परियोजना के लिए प्रारंभिक स्वीकृति मिल चुकी है और जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी जानकारी के मुताबिक दोनों सड़कें लंबे समय से जर्जर स्थिति में थी, जिसके कारण लोगों को आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। बरसात के दिनों में हालात और खराब हो जाते थे तथा ग्रामीणों को स्कूल, अस्पताल और बाजार तक पहुंचने में काफी समय लगता था।

नई सड़क बनने के बाद क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और परिवहन व्यवस्था को भी गति मिलेगी। मार्केटिंग बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि परियोजना के तहत सड़क निर्माण में आधुनिक तकनीक और गुणवत्तापूर्ण सामग्री का उपयोग किया जाएगा।

दोनों सड़कों की कुल लंबाई कई किलोमीटर होगी और इनके निर्माण पर लगभग आठ करोड़ 31 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। बोर्ड का कहना है कि टेंडर प्रक्रिया पूरी होते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा, ताकि तय समय सीमा के भीतर परियोजना को पूरा किया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि टेंडर प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई जाएगी। निर्माण एजेंसी के चयन के बाद कार्य की नियमित निगरानी की जाएगी, ताकि गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न हो। विभाग ने उम्मीद जताई है कि परियोजना पूरी होने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था मजबूत होगी और लोगों को तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक सफर का लाभ मिलेगा।

यह बोले विधायक

विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि महेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक बेहतर मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। सड़क निर्माण और मरम्मत कार्यों से ग्रामीणों को आवागमन में राहत मिलेगी तथा क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। बेहतर सड़कें किसी भी क्षेत्र के विकास की मजबूत कड़ी होती हैं। इससे ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलने के साथ-साथ किसानों, व्यापारियों और विद्यार्थियों को भी सीधा लाभ मिलेगा। सड़क निर्माण से कई गांवों के लोगों का समय बचेगा और उनकी दैनिक गतिविधियां पहले से अधिक सुगम होंगी।

पायगा में हुआ ब्यूटी पार्लर एवं क्रोशिया प्रशिक्षण कार्यक्रम

महेंद्रगढ़। ग्रामीण महिलाओं के सपनों को नई पहचान देने एवं उन्हें आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर करने के उद्देश्य से श्रीमती हस्ती देवी जनकल्याणार्थ समिति द्वारा संचालित ब्यूटी पार्लर एवं क्रोशिया प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन गांव पायगा में सम्मानपूर्वक प्रमाण-पत्र वितरण समारोह के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल एवं स्वावलंबी भविष्य की शुभकामना दी गई। समिति अध्यक्षा डॉ. पवित्रा राव के प्रेरणादायी नेतृत्व में आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं के जीवन में आत्मविश्वास, हुनर एवं नई संभावनाओं का माध्यम बनकर सामने आया। डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि जब महिलाएं शिक्षित एवं आत्मनिर्भर बनती हैं, तब परिवार के साथ-साथ समाज भी सशक्त होता है। उन्होंने कहा कि कौशल विकास ही महिलाओं को आत्मसम्मान, आर्थिक मजबूती एवं नई पहचान दिलाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने बताया कि श्रीमती हस्ती देवी जनकल्याणार्थ समिति शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में निरंतर सार्थक एवं जनहितकारी कार्य कर रही है। समिति का प्रयास समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास एवं स्वावलंबन से जोड़ना है। कार्यक्रम में उपस्थित सरपंच सुनीता देवी ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रहे हैं। उन्होंने डॉ. पवित्रा राव के सामाजिक एवं महिला उत्थान से जुड़े कार्यों को प्रेरणादायी बताते हुए समिति के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ट्रेनर अंकिता सिंह, मेनका देवी, नवीन यादव, गंगा देवी, खुशी, भावना सहित अनेक ग्रामवासी उपस्थित रहे।

श्रीकृष्णा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में हुआ अध्यापक-अभिभावक मिलन समारोह

महेंद्रगढ़। श्रीकृष्णा ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस में रविवार को अध्यापक-अभिभावक मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्यातिथि चेयरमैन डॉ. बीरसिंह उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि सीईओ कर्मवीर राव ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल प्राचार्य रविप्रकाश ने की। पीआरओ सुधीर यादव ने बताया कि सुबह 8:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक चले इस कार्यक्रम में पहली से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों की मई माह में हुए यूनिट टेस्ट परीक्षा का रिपोर्ट कार्ड साझा किया गया। शिक्षकों ने न केवल बच्चों की शैक्षणिक उपलब्धियों पर चर्चा की, बल्कि उनके व्यवहार और विशिष्ट गुणों की भी सराहना की। साथ ही, बच्चों की कमियों को दूर करने के लिए अभिभावकों को विशेष परामर्श भी दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में स्कूल पहुंचे अभिभावकों का तिलक लगाकर पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया, जिससे परिसर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। चेयरमैन डॉ. बीरसिंह ने कहा कि माता-पिता और शिक्षक एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए दोनों का आपसी सहयोग अनिवार्य है। अभिभावकों की उपस्थिति शिक्षकों को बच्चों के भविष्य के लिए बेहतर रणनीति बनाने में मदद करती है। सीईओ कर्मवीर राव ने कहा कि विद्यार्थियों के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। एक मजबूत शैक्षिक नींव के लिए स्कूल और घर के बीच निरंतर संवाद होना बेहद जरूरी है। प्राचार्य रवि प्रकाश ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन स्कूल में आने भी होते रहेंगे एवं विद्यार्थियों की समय-समय पर शिक्षा संबंधित जानकारियां मिलती रहेंगी।

हिन्दुस्तान पब्लिक स्कूल में हुई अभिभावक-शिक्षक बैठक

मंडी अटेली। हिन्दुस्तान पब्लिक स्कूल सलीमपुर में रविवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति की समीक्षा करना और अभिभावकों व शिक्षकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना रहा। बैठक के दौरान अभिभावकों ने शिक्षकों से अपने बच्चों की पढ़ाई,व्यवहार और परीक्षा परिणाम को लेकर विस्तार से चर्चा की। शिक्षकों ने भी प्रत्येक छात्र की प्रगति, कमजोरियों और सुधार के उपायों के बारे में अभिभावकों को जानकारी दी। इस मौके पर स्कूल के प्राचार्य अनुप कुमार ने सभी अभिभावकों का स्वागत करते हुए उन्हें विद्यालय की गतिविधियों में नियमित भागीदारी के लिए प्रेरित किया। वहीं स्कूल निदेशक राकेश कुमार ने कहा कि इस प्रकार की बैठकें विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने अभिभावकों से विद्यालय और शिक्षकों के साथ निरंतर सहयोग बनाए रखने का आग्रह किया। अंत में विद्यालय परिवार ने सभी उपस्थित अभिभावकों का आभार व्यक्त किया और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

मंडी अटेली। बैठक में भाग लेते हुए अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

राव सुल्तान सिंह स्कूल में पीटीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

राव सुल्तान सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल निम्बेहड़ा में ग्रीष्मकालीन अवकाश से पूर्व अभिभावक-अध्यापक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भाग लेकर बच्चों की शिक्षा एवं भविष्य के प्रति अपनी गंभीरता और जागरूकता का परिचय दिया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन एवं ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान अध्ययन व्यवस्था को लेकर अभिभावकों को जागरूक करना रहा। संस्था निदेशक एडवोकेट सतपाल यादव ने कहा कि विद्यालय में अभिभावकों की इतनी बड़ी संख्या में उपस्थिति यह सिद्ध करती है कि माता-पिता अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को लेकर सजग हैं। उन्होंने कहा कि ग्रीष्मकालीन अवकाश केवल आराम का समय नहीं, बल्कि बच्चों के लिए अध्ययन और आत्मविकास का भी महत्वपूर्ण अवसर होता है। विद्यालय द्वारा छुट्टियों के दौरान विद्यार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से नियमित अध्ययन कार्य दिया जाएगा, जिसे समय पर पूरा करवाने की जिम्मेदारी अभिभावकों की भी होगी। एडवोकेट सतपाल यादव ने कहा कि अभिभावक समय-समय पर बच्चों की गतिविधियों पर निगरानी रखें और उन्हें पूरे दिन मोबाइल में व्यस्त न रहने दें। उन्होंने सुझाव दिया कि बच्चों को केवल आवश्यक शैक्षणिक कार्य के लिए ही मोबाइल उपलब्ध करवाया जाए तथा कार्य पूर्ण होते ही मोबाइल वापस ले लिया जाए। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय प्राचार्य राजकुमार शर्मा एवं उपप्राचार्य रामकुमार ने भी अभिभावकों को विद्यार्थियों की शैक्षणिक गतिविधियों, अनुशासन एवं आगामी सत्र की तैयारियों की जानकारी दी।

महेंद्रगढ़। मीटिंग में उपस्थित अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

इंटर स्कूल कॉम्पिटिशन में एचपीएस के सितारों का ऐतिहासिक प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

शिक्षा के साथ सह शैक्षणिक गतिविधियों को महत्व देने वाले वाले अग्रणी शिक्षण संस्थान हरियाणा पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने गुरुग्राम सेक्टर 57 स्थित टीवीएस ब्रांच में आयोजित भव्य इंटर स्कूल कॉम्पिटिशन में अपनी अद्वितीय प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए सफलता का नया इतिहास लिखा। इस अंतर विद्यालय प्रतियोगिता में एचपीएस के सितारों का दबदबा देखने को मिला। यह गरिमामयी एवं मनभावन कार्यक्रम विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर एडवोकेट डॉ. हितेश वर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने उपस्थित जनसमूह व निर्णायक मंडल को मंत्रमुग्ध कर दिया।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कक्षा 11वीं की हितांशी ने प्रथम, हर्षिता ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। कक्षा 11वीं की छात्रा अक्षरा शर्मा ने प्रथम, कक्षा नौवीं की वंशिका यादव ने द्वितीय, सिद्धिका ने तृतीय स्थान हासिल किया। एकल नृत्य में आतिश ने प्रथम, कंचन शर्मा ने द्वितीय, यक्षिता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।कलश डेकोरेशन में कक्षा 10वीं के आदित्य ने प्रथम, कक्षा आठवीं के केशव ने तृतीय स्थान पर कब्जा किया। एडवोकेट डॉ. हितेश वर्मा ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों के सर्वांगीण विकास व उनके भीतर छिपी सृजनात्मक ऊर्जा को निखारने का सशक्त माध्यम हैं। एमडी निधि वर्मा ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं न केवल छात्रों को आत्मविश्वास प्रदान करती हैं, अपितु टीमवर्क का विकास होने के चलते पारिवारिक जिम्मेदारियों के निर्वहन का मार्ग भी सशक्त करती है। प्राचार्य सुनील कुमार ने सभी छात्रों को शुभकामनाएं प्रेषित की। पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी डायरेक्टर पुष्करमल वर्मा ने बधाई दी। डीन मनोज भारद्वाज' ने कहा कि सफलता पूरे शैक्षणिक परिवार के सामूहिक प्रयासों का प्रतिफल है।

विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर में हुई पीटीएम

नारनौल। विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर में रविवार को अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सम्मेलन में सुभाष बायल, सुनील नारनौल, विनोद जोड़ला की ढाणी, सुमेर सिंह बेसरड़ा, रवि बामनवास, विकास बिगोपुर, संजय बामनवास, पवन बशीरपुर, सज्जन सिंह बसई, विरेन्द्र सिंह नारेड़ी, कंचन सिंह सरेली, प्रवीण घाटाशेर, संदीप रूपसराय, देवीलाल पवेरा, जिले सिंह घाटासेर, संदीप निजामपुर, हरीश नालपुर, निरंजन सिंह किशनपुरा, राधेश्याम मारोली आदि अभिभावक उपस्थित थे। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव, वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव, प्रबंधक निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव, निदेशिका डॉ. रविन्द्रा यादव, उप प्राचार्य प्रवीण कुमार शर्मा, कोर्डिनेटर रितु शर्मा, किड्स ब्लॉक इंचार्ज विजय सोनी सहित सभी अध्यापकगण उपस्थित थे। सम्मेलन के अन्त में प्राचार्य अजीत सिंह ने अभिभावकों की ओर से दिए गए सुझावों पर भविष्य में अमल करने का आश्वासन दिया। संस्था के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव ने अभिभावकों से समय-समय पर अपने बच्चों की शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी लेने के लिए आग्रह किया।

भगवान वामनावतार का हुआ वर्णन

महेंद्रगढ़। शहर के रेलवे रोड स्थित मास्टर कॉलोनी के किशोरी कुंज में कौशल्या देवी शिव मंदिर ट्रस्ट एवं कॉलोनी में चल रही श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञानोत्सव के दौरान कथा व्यास अक्षय कृष्ण ठाकुर महाराज के द्वारा भगवान वामनावतार की कथा का वर्णन किया गया तथा मास्टर अमरसिंह सोनी के निर्देशन में भगवान वामनावतार की मनमोहक झांकी भी पेश की गई। इससे पूर्व कथावाचक ने ब्रह्मा का प्राकट्य, सृष्टि का विस्तार, सती चरित्र, ध्रुव चरित्र, कपिल मुनि का ज्ञानोपदेश एवं समुद्र मंथन का वर्णन भी किया। इस कार्यक्रम के मुख्य यजमान मामन चौधरी एवं आशा गर्ग सपरिवार रहे, जबकि सुरेश चौधरी एवं मंजू चौधरी ने भी सपरिवार पहुंचकर पूजा अर्चना तथा आरती करवाई और प्रसाद बंटवाया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि विधायक कंवर सिंह यादव रहे। पूजन का कार्य पंडित रामनिवास शास्त्री ने विधिवत मंत्रोच्चार से करवाया। कथावाचक ने बताया कि असुर राजा बलि के अहंकार को नष्ट करने और देवताओं को उनका स्वर्ग वापस दिलवाने के लिए भगवान विष्णु ने वामन का रूप धारण किया था। इस अवसर पर वार्ड पार्षद सरिता राठी, संजय राठी, रतन राठी, सुरेश चौधरी, पुरुषोतम चौधरी, एडवोकेट सुरेंद्र बंटी, श्रीकृष्ण सोनी आदि मौजूद थे।

नांगल चौधरी। पक्षियों को दाना पानी मुहैया कराने की शपथ लेते एनसीसी कैडेट।

पक्षियों को पिलाएं पानी: सुभाषचंद

नांगल चौधरी। ईस्लामपुरा में स्थिति केएल मैमोरियल स्कूल में चेयरमैन सुभाषचंद की अध्यक्षता में पक्षी संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें दिल्ली हरियाणा फाउंडेशन के फाउंडर आरजे खटाना मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने युवाओं व ग्रामीणों को पक्षियों का संरक्षण करने के लिए प्रेरित किया। जिससे फसलों को नुकसानदायक कीड़ों से सुरक्षा मिलेगी तथा जमीन की उपजाऊ ताकत बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि पक्षी हमारी खेतीबाड़ी और पर्यावरण के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। पक्षी खेतों में फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीट, पतंगों को खाकर प्राकृतिक संतुलन बनाए रखते हैं, जिससे किसानों को लाभ मिलता है। इसके साथ ही पक्षी पेड़, पौधों के बीज फैलाकर प्रकृति के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ती गर्मी और जल स्रोतों की कमी के कारण पक्षियों का जीवन संकट में पड़ता जा रहा है, ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व बनता है कि वह अपने घरों, खेतों और छतों पर पानी के सकोरे रखे। उन्होंने तर्क दिया कि पक्षियों के चहकने से प्रकृति की सुंदरता बढ़ती है साथ ही मनुष्य को मानसिक तनाव कम करने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सामाजिक व पर्यावरण हितैषी कार्यक्रम विद्यार्थियों में सेवा भावना, संवेदनशीलता और प्रकृति संरक्षण के संस्कार विकसित करते हैं। कार्यक्रम में प्राचार्य राजबीर सिंह, अशोक कुमार, बिक्रम सिंह उपस्थित रहे।

उत्तर-पश्चिम रेलवे के फैसले से क्षेत्र के यात्रियों में खुशी की लहर

जोधपुर-गोरखपुर स्पेशल ट्रेन का संचालन दोबारा शुरू, महेंद्रगढ़ में भी होगा ठहराव

गाड़ी संख्या 04829 (जोधपुर से गोरखपुर) का संचालन 28 मई से नौ जुलाई तक प्रत्येक वीरवार को होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। रेलवे स्टेशन पर खड़ी गाड़ी। फोटो : हरिभूमि

रेलवे प्रशासन की ओर से यात्रियों की सुविधा के लिए जोधपुर से गोरखपुर के बीच एक नई स्पेशल ट्रेन का संचालन दोबारा शुरू किया गया है। उत्तर-पश्चिम रेलवे के इस फैसले से क्षेत्र के यात्रियों में खुशी की लहर है।

इस गाड़ी का महेंद्रगढ़ रेलवे स्टेशन पर भी ठहराव तय किया गया है, जिससे स्थानीय यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा के लिए एक बेहतर विकल्प मिलेगा। दैनिक रेलयात्री महासंघ के अध्यक्ष रामनिवास पाटोदा ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि गाड़ी संख्या 04829 (जोधपुर से गोरखपुर) का संचालन 28 मई से नौ जुलाई तक प्रत्येक वीरवार को किया जाएगा। वहीं, वापसी में गाड़ी संख्या 04830 (गोरखपुर से जोधपुर) 29 मई से नौ जुलाई तक प्रत्येक शुक्रवार को चलेगी। आगामी तीन महीनों के भीतर यह ट्रेन कुल 16 ट्रिप (8 बार जाना और 8 बार आना) पूरे करेंगी। जून माह में यह ट्रेन 4, 11, 18 और 25 तारीख को तथा जुलाई माह में 2 और 9 तारीख को गोरखपुर के लिए रवाना होगी। ट्रेन की समय-सारणीः जोधपुर से गोरखपुर (04829): यह गाड़ी प्रत्येक वीरवार को शाम 4:15 बजे जोधपुर से रवाना होगी।

इसके बाद रात 9:35 बजे रतनगढ़, देर रात 12:30 बजे लोहारू, रात 1:07 बजे महेंद्रगढ़, रात 2:50 बजे रेवाड़ी, अलसुबह 4:45 बजे दिल्ली और दोपहर 3:10 बजे लखनऊ पहुंचेगी। अयोध्या होते हुए यह ट्रेन शुक्रवार की सुबह 8:50 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। गोरखपुर से जोधपुर (04830): वापसी में यह ट्रेन शुक्रवार की रात 11:25 बजे गोरखपुर से चलेगी। वाया अयोध्या, लखनऊ और दिल्ली होते हुए यह शनिवार को दोपहर 5:00 बजे रेवाड़ी और शाम 5: 40 बजे महेंद्रगढ़ पहुंचेगी।

दैनिक संचालन और अतिरिक्त ठहराव की मांग

इस ट्रेन के दोबारा शुरू होने से यात्रियों को बड़ी राहत तो मिली है, लेकिन इसके फेरे बढ़ाने की मांग भी उठने लगी है। दैनिक रेलयात्री महासंघ अध्यक्ष रामनिवास पाटोदा ने रेलवे प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि इस ट्रेन का संचालन साप्ताहिक के बजाय प्रतिदिन किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्र के यात्रियों के हितों को ध्यान में रखते हुए सतनाली और डहीना स्टेशनों पर भी इस ट्रेन का ठहराव सुनिश्चित करने का आग्रह किया है, ताकि ग्रामीण आंचल के लोगों को भी इसका पूरा लाभ मिल सके।

पाथेड़ा में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया

महेंद्रगढ़। गांव पाथेड़ा में रविवार को नवजीवन जच्चा बच्चा अस्पताल की ओर से एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ. सोनू यादव एवं डॉ. मनीषा यादव ने लोगों की स्वास्थ्य जांच की और उन्हें उचित परामर्श दिया। इस स्वास्थ्य शिविर में गांव से आए 170 से अधिक लोगों ने अपनी जांच करवाई तथा जरूरतमंद मरीजों को मुफ्त दवाइयां भी वितरित की गईं। शिविर के दौरान नवजीवन अस्पताल की पूरी टीम का स्वागत गांव पाथेड़ा के पूर्व पार्षद सत्यपाल सिंह तंवर द्वारा माला डालकर स्वागत किया गया। शिविर में नवजीवन हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. उमेश तंवर बसई विशेष रूप से उपस्थित रहे। शिविर के सफल आयोजन में गांव के सरपंच, पंच एवं समस्त ग्रामवासियों का विशेष सहयोग रहा। नवजीवन हॉस्पिटल की टीम ने भविष्य में भी ऐसे सामाजिक एवं स्वास्थ्य हित के कार्यक्रम आयोजित करने का आश्वासन दिया।

आरपीएस की पूर्व छात्रा अविशा जिंदल ने की एमबीए उत्तीर्ण

महेंद्रगढ़। आरपीएस स्कूल की पूर्व छात्रा अविशा जिंदल ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का लोहा मनवाया है। वर्ष 2021 बैच की होनहार छात्रा रहीं अविशा ने देश के प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थान आईआईएम मुंबई सत्र 2024-26 से अपनी एमबीए की पढ़ाई सफलतापूर्वक पूरी कर क्षेत्र व विद्यालय का नाम रोशन किया है। ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि अविशा की यह सफलता आरपीएस परिवार के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। उसने यह साबित कर दिया है कि दृढ़ संकल्प और सही मार्गदर्शन से देश के सर्वोच्च शिखर तक पहुंचा जा सकता है। ग्रुप सीईओ इंजीनियर मनीष राव ने कहा कि एक छोटे शहर से निकलकर देश के प्रीमियर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट में अपनी जगह बनाना अविशा की कड़ी मेहनत को दर्शाता है। डिप्टी सीईओ कुनाल राव ने कहा कि अविशा ने स्कूल समय से ही अपनी असाधारण प्रतिभा का परिचय दिया था। कैट परीक्षा में 99.01 परसेंटाइल हासिल करना और साथ ही सीएफए लेवल-1 क्लियर करना उसकी बहुमुखी प्रतिभा और समर्पण को बयां करता है।

महेंद्रगढ़। छात्रा अविशा जिंदल को सम्मानित करते हुए।

आज से नौतपा शुरू, 4 दिन में तापमान में उफान, 5वें दिन देखने को मिलेगी तापमान में गिरावट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा एनसीआर दिल्ली में लगातार मौसम परिवर्तन शील और गतिशील बना हुआ है। कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से बादलों की आवाजाही और तेज़ गति की हवाओं आंधी अंधड़ के साथ बिखराव वाली हल्की बारिश बूंदाबांदी की गतिविधियों से सम्पूर्ण इलाके में तापमान में उतार चढाव देखने को मिला।

आने वाले दिनों में हरियाणा एनसीआर दिल्ली में लगातार मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। मौसम विशेषज्ञ डॉ चंद्रमोहन ने बताया कि प्रदेश के पश्चिमी हिस्सों में बेहद गर्म मौसम साथ में रेत बरस रही है। सोमवार से नौतपा शुरू हो रहा है। जो आमतौर पर 25 मई से दो जून के बीच होता है। आमतौर पर नौतपा के दौरान तापमान में उफान और गर्मी अपने तेवरों को प्रचंड बनातीं है। वैज्ञानिक और भौगोलिक दृष्टि से यह कोई अंधविश्वास नहीं बल्कि पृथ्वी और सूर्य की गति के कारण होने वाली एक प्राकृतिक घटना है, जो भारतीय मानसून चक्र और कृषि व्यवस्था का मुख्य आधार है। नौतपा के पीछे के वैज्ञानिक और भौगोलिक कारणों को प्वाइंटों से समझा जा सकता है।

आने वाले दिनों में आग उगलने वाली गर्मी व हीट बेब लू का दौर देखने को मिलेगा

केरलम में 26 मई को तथा हरियाणा एनसीआर दिल्ली में 27 जून को मानसून पहुंचने की सम्भावना

नौतपा के दौरान इस तरह रहेगा मौसम

मौसम विशेषज्ञ डॉ चंद्रमोहन ने बताया कि वर्तमान परिदृश्य में मैदानी राज्यों विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली में नौतपा के दौरान पहले चार दिनों तक तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। परन्तु अन्तिम पांच दिनों के दौरान तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी। क्योंकि 25 मई को एक नया कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में आंशिक बदलाव से आंशिक बादल वाही और तेज़ गति की हवाओं आंधी अंधड़ के साथ बिखराव वाली हल्की बारिश बूंदाबांदी की गतिविधियों की सम्भावना बन रही है। इस मौसम प्रणाली का असर ज्यादा नहीं रहेगा। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर दिन और रात के तापमान में हल्की बढ़त देखने को मिलेगी। परन्तु 28 मई को एक नया मध्यम श्रेणी का पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से सम्पूर्ण मैदानी राज्यों विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली में 28-30 मई के दौरान मौसम में बदलाव की सम्भावना बन रही है। सम्पूर्ण इलाके में बादलों की आवाजाही के साथ तेज गति की हवाओं आंधी अंधड़ और हल्की बारिश बूंदाबांदी की गतिविधियों की सम्भावना बन रही है। इसके पीछे पीछे एक और नया पश्चिमी विक्षोभ दो जून को सक्रिय होने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में एक बार फिर से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। कुल मिलाकर इस साल नौतपा की शुरुआत मध्य और अंत में बार बार मौसम में बदलाव आंधी अंधड़ और हल्की बारिश बूंदाबांदी की गतिविधियों से नौतपा के दौरान तापमान में उतार चढाव देखने को मिलेगा। नौ दिनों के पहले चार दिनों तक तापमान में बढ़ोतरी और उसके बाद पांच दिनों के दौरान तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी। नौतपा पहले तपाएगा। उसके बाद नौतपा के अन्तिम पांच दिनों में नौठंडा रहेगा। जैसे ही मौसम प्रणाली आज हरियाणा एनसीआर दिल्ली से आगे निकल गई है। एक बार फिर से पश्चिमी शुष्क गर्म हवाओं से सम्पूर्ण इलाके में तापमान में उछाल देखने को मिल रहा है। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर दिन और रात के तापमान सामान्य से अधिक बने हुए हैं।

बीते दिन पत्रकार सुशीला शर्मा पर बंदरों ने घर में घुसकर किया था हमला

महेंद्रगढ़ में आवारा पशु व बंदरों की समस्या पर हुई बैठक, एसडीएम ने मांगा जनसहयोग

■ शहरवासियों ने व्यापार मंडल के प्रधान के नेतृत्व में बालाजी चौक पर दिया सांकेतिक धरना

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

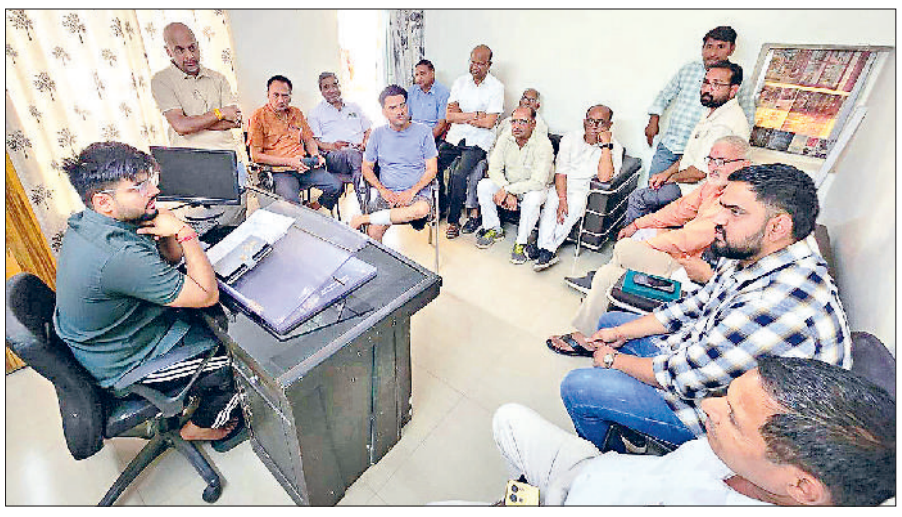

महेंद्रगढ़। शहर के लोगों की बैठक लेते एसडीएम। फोटो : हरिभूमि

नगर में बढ़ती आवारा पशुओं, कुत्तों एवं बंदरों की समस्या को लेकर उपमंडल अधिकारी (नागरिक) एसडीएम योगेश सैनी ने नगर के प्रबुद्ध नागरिकों की एक महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में शहर को कैटल फ्री बनाने तथा बंदरों के आतंक से आमजन को राहत दिलाने के लिए विभिन्न सुझावों पर चर्चा की गई।

इस विषय को लेकर शनिवार को व्यापार मंडल प्रधान सुरेंद्र बंटी के नेतृत्व में नगर के प्रबुद्ध लोगों ने बालाजी चौक पर एक सांकेतिक धरना भी दिया था, जिस पर एसडीएम योगेश सैनी ने रविवार को एक प्रतिनिधि दल से 11 बजे मिलने का समय निर्धारित किया था। बैठक के दौरान एसडीएम योगेश सैनी ने पत्रकार सुशील शर्मा का हालचाल भी जाना, जिन्हें कल ही बंदरों ने हमले में चोटें आई थी। उन्होंने इस घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि नगर में बंदरों और आवारा पशुओं की समस्या का स्थायी समाधान निकालने के लिए प्रशासन गंभीरता से कार्य कर रहा है। एसडीएम ने कहा कि शहर को कैटल फ्री बनाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन इस अभियान की सफलता के लिए आम नागरिकों का सहयोग भी आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे सड़कों पर पशुओं को खुला न छोड़ें तथा आवसीय क्षेत्र में आवारा पशुओं खाने का सामान न डाले नगर को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाने में प्रशासन का सहयोग करें। बैठक में उपस्थित प्रबुद्धजनों ने भी शहर में आवारा पशुओं और बंदरों की बढ़ती समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए प्रशासन को आवश्यक सुझाव दिए। एसडीएम ने सभी सुझावों पर सकारात्मक कार्रवाई का भरोसा दिलाया और कहा कि जनहित से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध है।

ये रहे उपस्थित

बैठक में सैनी सभा प्रधान सुरेश सैनी, हलवाई यूनियन प्रधान लक्ष्मीनारायण सैनी, ब्राह्मण सभा प्रधान दिनेश वैध, जयप्रकाश मिश्रा, पूर्व प्रधान ब्राह्मण सभा महाबीर भांडोरिया, महेश सोनी, गोपी अरोड़ा, पार्षद प्रतिनिधि अश्वनी सोनी, नरेश चेयरमैन, विजय गर्ग, नरेश जोशी, प्रधान सांस्कृतिक मंच मास्टर जयनारायण, कैमिस्ट यूनियन से अनिल तिवाड़ी, पवन तायल, सुरेश चांद हलवाई यूनियन और नगर के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया।

रोडवेज बस में यात्री से मारपीट,3 पर केस दर्ज

नारनौल। बस स्टैंड पर रोडवेज बस में एक यात्री के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। गांव मौखुता निवासी सुलतान सिंह ने शहर थाना पुलिस को शिकायत देकर बस चालक, परिचालक व एक अन्य व्यक्ति पर हमला करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में सुलतान सिंह ने बताया कि वह किसी कार्य से नारनौल आया था और वापस गांव जाने के लिए बस स्टैंड पर रोडवेज बस का इंतजार कर रहा था। बस में चढ़ने के बाद उसने टिकट लिया। बस में अधिक भीड़ होने के कारण उसने परिचालक से आगे सीट के पास बैठने की बात कही। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि इसी बात को लेकर परिचालक उससे उलझ पड़ा और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित ने आरोप लगाया कि परिचालक रविंद्र ने उसके चेहरे पर मुक्का मारा, जिससे उसकी नाक पर चोट आई। इसके बाद उसे बस से नीचे धक्का दे दिया गया। आरोप है कि बाद में बस से डंडा निकालकर भी हमला किया गया। बचाव के दौरान उसके दाहिने हाथ में फ्रैक्चर हो गया। शिकायत में कहा कि बस चालक प्रकाश व एक अन्य व्यक्ति ने भी उसके साथ मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के दौरान बस स्टैंड पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

न्यूज डायरी

गांव बिहाली के युवाओं ने सड़क पर लगाई छबील

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव बिहाली में युवाओं ने भीषण गर्मी के बीच मानवता की मिसाल पेश करते हुए अटेली-बहरोड़ सड़क मार्ग पर छबील लगाकर राहगीरों को मीठा ठंडा जल पिलाया। तपती धूप और लू के थपेड़ों से जूझ रहे लोगों के लिए यह पहल किसी राहत से कम नहीं रही। गांव के युवाओं ने सामूहिक रूप से इस सेवा कार्य का आयोजन किया जिसमें राहगीरों, वाहन चालकों और स्थानीय लोगों को रुककर शीतल पेय जल पिलाया गया। इस दौरान युवाओं ने लोगों को गर्मी से बचाव के उपायों के बारे में भी जागरूक किया और अधिक से अधिक पानी पीने की सलाह दी। छबील स्थल पर दिनभर लोगों की आवाजाही बनी रही और सैकड़ों लोगों ने मीठा जल ग्रहण कर राहत महसूस की।राहगीरों ने युवाओं के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी पहल समाज में सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत करती है। वहीं युवाओं ने बताया कि गर्मी के मौसम में जरूरतमंदों की सेवा करना उनका उद्देश्य है और आगे भी वे इस तरह के सामाजिक कार्य करते रहेंगे।

स्कूलों में 30 जून तक रहेगा ग्रीष्मकालीन अवकाश: डीईओ

नारनौल। जिला शिक्षा अधिकारी डा. विश्वेश्वर कौशिक ने जिले के सभी राजकीय तथा निजी मान्यता प्राप्त विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश की घोषणा कर दी है। जारी आदेश के अनुसार 25 मई से 30 जून तक सभी विद्यालय बंद रहेंगे। आदेश में जिले के सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने अधीनस्थ सभी सरकारी व निजी मान्यता प्राप्त विद्यालयों में उक्त अवधि के दौरान ग्रीष्मकालीन अवकाश सुनिश्चित करवाएं। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. विश्वेश्वर कौशिक ने स्पष्ट किया है कि अवकाश अवधि के दौरान कोई भी विद्यालय खुला नहीं रहेगा। यदि कोई विद्यालय ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान खुला पाया जाता है, तो संबंधित विद्यालय को नोटिस जारी कर उसके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की अनुशंसा करते हुए मामला तत्काल जिला कार्यालय को भिजवाना सुनिश्चित करें।

सीसीटीवी कैमरा हटाने को लेकर भालखी में मारपीट

कनीना। दौंगड़ा अहीर पुलिस चौकी अंतर्गत गांव भालखी में सीसीटीवी कैमरा हटाने की बात को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प का मामला सामने आया है। जिसमें पीड़ति राजकुमार की शिकायत पर पुलिस ने छह आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ति राजकुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके पड़ोसी गौरव ने उनके घर की तरफ एक सीसीटीवी कैमरा लगा रखा था। जब पीड़ति ने निजता का हवाला देते हुए इस कैमरे को हटाने के लिए कहा, तो आरोपित पक्ष भड़क गया। आरोप है कि इसके बाद गौरव, ताराचंद, लाली देवी, निर्मला देवी, चंद्रदीप व राजबाला ने मिलकर लाठी, डंडों और पत्थरों से पीड़ति व उनकी पत्नी उर्मिला पर जानलेवा हमला कर दिया। जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए तुरंत नागरिक अस्पताल महेंद्रगढ़ ले जाया गया। उपचार के बाद उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। सदर थाना पुलिस ने मारपीट करने वाले छह आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवक का अपहरण करने के मामले में आरोपित काबू

नारनौल। पुलिस ने थाना अटेली क्षेत्र में एक युवक का अपहरण कर उसके साथ गंभीर रूप से मारपीट करने के मामले में कार्रवाई करते हुए 22 मई को एक और आरोपित को गिरफ्तार किया। जिसकी पहचान साहिल वासी सिलारपुर के रूप में हुई। जिससे रिमांड के दौरान पूछताछ में पुलिस ने वारदात में प्रयोग की गई गाड़ी बरामद की है। आरोपित को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस मामले में पुलिस टीम ने 21 मई को तीन आरोपित राजपाल, अंकित व मनोज निवासी मोहम्मदपुर अटेली को गिरफ्तार किया था। जिनसे पूछताछ में वारदात में प्रयोग किए गए डंडे बरामद किए गए थे। आपस में हुई कहासुनी को लेकर आरोपितों ने वारदात को अंजाम दिया था।

सिहमा कॉलेज में निःशुल्क प्रवेश आवेदन की सुविधा

मंडी अटेली। महंत खेतानाथ राजकीय महाविद्यालय सिहमा में सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया तहत दाखिले के इच्छुक छात्र-छात्राएं 31 मई तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। कॉलेज में यह सेवा निःशुल्क उपलब्ध करवाई जा रही है। इस वर्ष बीए प्रथम वर्ष में 160 सीटें तथा बीकॉम प्रथम वर्ष में 80 सीटें निर्धारित की गई हैं, जिससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। महाविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी करें। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय परिसर में प्रवेश फॉर्म भरने की निःशुल्क व्यवस्था उपलब्ध करवाई गई है। यहां पर महाविद्यालय स्टाफ द्वारा विद्यार्थियों को फॉर्म भरने में सहायता भी दी जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।

जिला वेद प्रचार मंडल महेंद्रगढ़ की नई कार्यकारिणी की हुई घोषणा

महेंद्रगढ़। आर्य समाज के जिला प्रधान धर्मवीर आर्य को सम्मानित करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

रविवार को जिला वेद प्रचार मंडल की नई कार्यकारिणी की घोषणा आर्य समाज मंदिर में आयोजित बैठक के दौरान हुई। महेंद्रगढ़ आर्य समाज के प्रधान भूपेंद्र आर्य ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ यज्ञ संपन्न करवाया। बैठक में वैदिक संस्कृति के प्रचार-प्रसार, सामाजिक जागरूकता तथा संगठन को मजबूत बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला प्रधान धर्मवीर खातौली ने नई कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए कहा कि संगठन समाज सुधार, शिक्षा एवं वैदिक विचारधारा के प्रचार में सक्रिय भूमिका निभाएगा।

ये है मामला

नई कार्यकारिणी में डॉ. प्रेमराज आर्य, विद्यासागर, रोशनलाल आर्य, रामौतार आचार्य, दयाराम आर्य, वेदप्रकाश आर्य, रामसिंह प्रधान, मनफूल आर्य, अमर सिंह सरपंच तथा वासुदेव आर्य को संरक्षक मंडल में शामिल किया गया है। धर्मवीर आर्य ने उप-प्रधान पद पर मुख्त्यार आर्य एवं देशराज आर्य को जिम्मेदारी दी गई है। सचिव पद पर प्रकाश आर्य को नियुक्त किया गया तथा डॉ. अमर सिंह महरानियां एवं अनिल प्रदेशी को सहसचिव बनाया गया। कप्तान सुरेंद्रपाल को कोषाध्यक्ष एवं राजेंद्र आर्य को सह-कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। प्रचार मंत्री के रूप में बंसीराम कलवाड़ी, हरीश मुनि एवं रणधीर आर्य को जिम्मेदारी सौंपी गई।

जरूरतमंदों की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म: विधायक

खास बातें

- कार्यक्रम में मुख्यातिथि विधायक कंवर सिंह यादव ने शिरकत की
- सोसायटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने विधायक का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया
- समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है

महेंद्रगढ़। रिबन काटकर शुभारंभ करते विधायक कंवरसिंह। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

श्री खाटूश्याम मानव जन सेवा वेलफेयर सोसायटी द्वारा पंचमुखी हनुमान मंदिर के नजदीक नेत्रहीन, अनाथ बच्चों एवं वृद्धाश्रम के शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि विधायक कंवर सिंह यादव ने शिरकत की।

सोसायटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने विधायक का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। विधायक ने रिबन काटकर वृद्धाश्रम का शुभारंभ किया। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि समाज की वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों को सम्मान और सहयोग मिले। उन्होंने कहा कि नेत्रहीन, अनाथ बच्चों एवं वृद्धजनों की सेवा करना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। श्री खाटू श्याम मानव जन सेवा वेलफेयर सोसाइटी का यह प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक है, जिससे जरूरतमंद लोगों को सहारा और बेहतर वातावरण मिलेगा।

विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण और उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रही है। सरकार गरीब, जरूरतमंद, दिव्यांग, अनाथ बच्चों और बुजुर्गों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं चला रही है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। विधायक ने सोसायटी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि समाजसेवी संस्थाएं सेवा, सहयोग और परोपकार की भावना को मजबूत करती हैं तथा ऐसे प्रयास समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य करते हैं। इस मौके पर प्रधान अनूप, अग्रवाल सभा पूर्व प्रधान नरेंद्र मेहता, नवीन मित्तल, सुधीर खुड़ाना, मनोज सैनी, रामवतार शास्त्री, नीटू शर्मा, मीनू, प्रवीण शर्मा, महेंद्र चौधरी, रामगोपाल मित्तल, राजू, शीशु, दिनेश सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

कृष्णा और चिट्ठी फिल्म से संस्कारों का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

■ युवा साथी ग्रुप और उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ने की सिनेमाघरों में देखने की अपील

आर्यव्रत सेवा न्यास के बैनर तले समाज में सकारात्मक बदलाव और सांस्कृतिक जागरण के उद्देश्य से निर्मित फिल्म कृष्णा और चिट्ठी को लेकर क्षेत्र के युवाओं और सामाजिक संगठनों में भारी उत्साह है। फिल्म की सफलता को लेकर युवा साथी ग्रुप हरियाणा और उड़ान जनसेवा ट्रस्ट, ढाणी बाठोठा ने अपनी शुभकामनाएं दी है।

संगठनों से जुड़े पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे परिवार सहित नजदीकी सिनेमाघरों में जाकर इस संस्कारपरक फिल्म को जरूर देखें।

यह फिल्म आगामी 29 मई को पीवीआर आइनॉक्स पर प्रदर्शित होने जा रही है। फिल्म में रामायण के श्रीराम यानी प्रसिद्ध अभिनेता अरुण गोविल एक बिल्कुल अनूठे अंदाज में नजर आएंगे।

जहां वे महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की तरह क्रिकेट खेलते हुए समाज को एक बड़ा संदेश देंगे। उनके साथ तारे जमीं पर फेम अभिनेता दर्शील सफारी भी अपनी युवा ऊर्जा के साथ फिल्म में मुख्य किरदार निभा रहे है। आर्यव्रत सेवा न्यास के अध्यक्ष विनीत पिलानिया ने हाल ही में फिल्म का टीजर जारी किया था। यह फिल्म नाम कमाने के लिए नहीं बल्कि समाज में योगदान देने और सनातन संस्कृति को मजबूत करने की भावना से बनाई गई है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरुण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

तत्कालीन सीएम मनोहर लाल ने किया उप तहसील बनाने का वादा

सरकार दौंगडा अहीर से साथ कर रही भेदभाव : शेरसिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। गांव दौंगड़ा अहीर में आयोजित सभा को संबोधित करते नेताजी अतरलाल। फोटो : हरिभूमि

दौंगड़ा अहीर को उप तहसील बनाने की मांग को राज्य सरकार की ओर से ठंडे बस्ते में डाल दिए जाने के कारण दौंगड़ा अहीर व आसपास के ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। लोगों का गुस्सा अब खुलकर सामने आने लगा है। रविवार को ग्रामीणों ने बाबा रूपादास मंदिर के पास सभा आयोजित कर दौंगड़ा अहीर को तत्काल उपतहसील बनाने की मांग की। सभा की अध्यक्षता शेरसिंह यादव ने की व बसपा नेता प्रमुख समाजसेवी नेताजी अतरलाल एडवोकेट ने मुख्य अतिथि के तौर पर सभा में शिरकत की।

सभा को संबोधित करते हुए कुलदीप सिंह, गजराज सिंह, अमीलाल, भागसिंह चेयरमैन, दानसिंह प्रजापत, कैलाश सेठ, यादराम व होशियार सिंह ने कहा कि राज्य सरकार उप तहसील बनाने में दौंगड़ा अहीर के साथ भेदभाव कर रही है।

तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने उप तहसील बनाने का वायदा ग्रामीणों के बीच में किया था, लेकिन राज्य सरकार की ओर से इस फैसले पर अमल न किया जाना भेदभाव नहीं तो क्या है। मुख्य अतिथि अतरलाल ने उपतहसील की मजबूती से पैरवी करते हुए चेतावनी दी कि अब तो सभा की गई है, यदि सरकार ने शीघ्र उपतहसील का गजट नोटिफिकेशन जारी कर कार्रवाई शुरू नहीं की तो बड़ा आंदोलन करने से भी परहेज नहीं किया जाएगा। सभा में वक्ताओं ने केंद्र सरकार से अहीर रेजिमेंट का गठन करने की मांग भी उठाई, जिसका उपस्थित सभी सदस्यों ने हाथ उठाकर समर्थन किया।

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर चिरंजीलाल, सहेंद्र सिंह, दिलीप सिंह, ज्वालाराम, मनोज, रविदत्त, दयानंद, राकेश, अशोक, बनीसिंह, अभय सिंह, चंद्रभान, बाबूलाल, महादेव, परमेश्वर, पवन, महेंद्र, समर सिंह, सुधीर कुमार, रामचंद्र, चैनराम, डालूराम, पुष्करलाल पेंटर, राजेंद्र मास्टर, भवानी सिंह थानेदार, सत्यवीर सिंह, होशियार सिंह यादव, रतन सिंह, तुषार, कुकू, भवानी सिंह, यादराम पटवारी, छोटेलाल, समर सिंह, देवप्रकाश, कुलदीप कुमार, गजराज यादव, लालचंद, रविंद्र, संदीप, संजीव, अमर सिंह, अजय, संदीप, श्रीचंद, मुरारीलाल, वीरेंद्र सिंह, फतेह सिंह, लालचंद, बस्तीराम, रामनिवास, महेश, प्रवेश, देवेंद्र, प्रकाश, राजेंद्र आदि ग्रामीण उपस्थित थे।